RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 197 | SATURDAY 25-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

जितना था कल तक अरे, उससे ऊंचा आज।
तभी ताजपुर को कहें, लुधियाने का ताज।
लुधियाने का ताज, डंप यह बड़ा निराला।
है सबका सहयोग, सभी ने कूड़ा डाला।
कह साहिल कविराय, अभी तो है बस इतना।
ऊंचा इसको करें, और हो सकता जितना।

– डॉ. राजेन्द्र साहिल

एक अलमारी, एक कमरा से फैशन आइकन तक... 'हर दुल्हन को सेलिब्रिटी जैसा महसूस कराना ही मेरा मकसद है' – पूजा मागो'

फैशन सिर्फ महंगे कपड़ों या ट्रेंड्स का नाम नहीं है, बल्कि अपनी पहचान बनाने की कला भी है। लुधियाना की जानी-मानी फैशन डिजाइनर पूजा मागो ने इसी सोच के साथ अपने सपनों को हकीकत में बदला। एक छोटे से होम स्टूडियो से शुरू हुआ उनका सफर आज एक प्रतिष्ठित फैशन लेबल में बदल चुका है। उनकी डिजाइनिंग पंजाब ही नहीं, बल्कि देशभर के ग्राहकों की पहली पसंद बन चुकी है। खास बातचीत में पूजा मागो ने अपने संघर्ष, सफलता, फैशन इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स और युवाओं के लिए अपने अनुभव साझा किए।

आपके फैशन सफर की शुरूआत कैसे हुई? इस इंडस्ट्री में आने की प्रेरणा कहां से मिली?

यह सफर किसी प्लानिंग के साथ शुरू नहीं हुआ था। जब मैं छोटी थी, मेरी एक कजिन दिल्ली से इंटर्नशिप के लिए हमारे घर आई थीं। वह फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई कर रही थीं। उन्हें स्केच बनाते और कपड़ों पर डिजाइन तैयार करते देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई। उसी दिन मुझे महसूस हुआ कि यही वह क्षेत्र है जिसमें मैं अपना भविष्य देख सकती हूं। इसके बाद मैंने निफ्ट मोहाली से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। वर्ष 2007 में घर से ही अपना काम शुरू किया। उस समय मेरी दो छोटी बेटियां थीं, इसलिए परिवार और करियर दोनों को साथ लेकर चलना आसान नहीं था। लेकिन मैंने कभी अपने सपने को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा। आज पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है कि हर संघर्ष ने मुझे और मजबूत बनाया।

आपका पहला ग्राहक कौन था? वह अनुभव कैसा रहा?

मेरे शुरूआती ग्राहक मेरे दोस्त और परिवार के लोग ही थे। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे काम करने का मौका दिया। मुझे कभी इस बात की झिझक नहीं हुई कि मैं घर से काम कर रही हूं या मेरे पास बड़ा स्टूडियो नहीं है। मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने काम की गुणवत्ता पर था। जब लोगों ने मेरे डिजाइन पसंद किए और दूसरों को उनके बारे में बताया, तभी मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। पहले छह महीने मेरे लिए सीखने का दौर थे और वहीं से मेरे ब्रांड की असली नींव रखी गई।

पहला कदम उठाना कितना मुश्किल था?

सबसे मुश्किल काम शुरूआत करना होता है। बहुत से लोग इसलिए आगे नहीं बढ़ पाते क्योंकि वे सही समय का इंतजार करते रहते हैं। मैंने भी किसी बड़े शोरूम से नहीं, बल्कि अपने घर के एक छोटे से कमरे और एक अलमारी से शुरूआत की थी। उस समय संसाधन सीमित थे, लेकिन आत्मविश्वास और मेहनत की कमी नहीं थी। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कोई भी बड़ा ब्रांड एक दिन में नहीं बनता। लगातार मेहनत, अनुशासन और धैर्य ही किसी भी सपने को मंजिल तक पहुंचाते हैं। अगर आप छोटे कदम भी लगातार उठाते रहें, तो वही एक दिन बड़ी सफलता में बदल जाते हैं।

आज लोग अपॉइंटमेंट लेकर आपसे मिलने आते हैं। यह बदलाव कैसा लगता है?

यह एहसास बहुत खास होता है। लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी तब होती है जब कोई क्लाइंट डिजाइन फाइनल होने के बाद भी मुझसे पूछता है कि 'क्या यह मुझ पर अच्छा लगेगा?' इसका मतलब है कि वह मेरे काम और मेरी राय पर भरोसा करता है। कई बार लोग सिर्फ फोटो खिंचवाने या अपनी शादी की तस्वीरें दिखाने भी आते हैं। यह मेरे लिए किसी अवॉर्ड से कम नहीं है। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

अगर किसी का बजट सिर्फ 5 हजार रुपये हो, तो उसकी वॉर्डरोब में क्या जरूर होना चाहिए?

मैं हमेशा कहती हूं कि महंगी शॉपिंग से ज्यादा जरूरी स्मार्ट शॉपिंग है। हर व्यक्ति के पास एक अच्छी फिटिंग वाली व्हाइट शर्ट, ब्लू डेनिम और एक क्लासिक ब्लैक ड्रेस जरूर होनी चाहिए। इन तीन चीजों को अलग-अलग एक्सेसरीज के साथ कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है। कम बजट में भी शानदार वॉर्डरोब तैयार की जा सकती है।

अगर किसी बॉलीवुड सेलिब्रिटी को डिजाइन करने का मौका मिले तो किसे चुनेंगी?

- मेरे लिए तो हर क्लाइंट किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। लेकिन अगर किसी एक बॉलीवुड स्टार का नाम लेना हो तो मैं प्रियंका चोपड़ा को चुनूंगी। उन्होंने भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। चाहे वह इंडियन वियर पहनें या इंटरनेशनल आउटफिट, उनका व्यक्तित्व हर लुक को खास बना देता है। उन्हें डिजाइन करना मेरे लिए एक यादगार अनुभव होगा।

लोग आपको 'संतूर मॉम' कहते हैं। इसकी वजह?

- (हंसते हुए) शायद यह भगवान का आशीर्वाद और अच्छे जीन्स का कमाल है। जहां भी जाती हूं, लोग यही कहते हैं कि मैं अपनी उम्र से काफी छोटी दिखती हूं। मेरी 21 साल की बेटी है और जब लोगों को यह पता चलता है तो वे हैरान रह जाते हैं। मुझे यह सुनकर अच्छा लगता है।

नए फैशन डिजाइनर्स और युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगी?

- मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि शुरूआत करने से मत डरिए। बहुत से लोग सही समय का इंतजार करते-करते अपने सपनों को ही छोड़ देते हैं। कोई भी बड़ा ब्रांड एक दिन में नहीं बना। सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, धैर्य और अनुशासन होता है। सोशल मीडिया से प्रेरणा जरूर लें, लेकिन आंख बंद करके ट्रेंड्स की नकल न करें। अपनी अलग पहचान बनाइए और लगातार सीखते रहिए।

क्या अच्छा दिखने के लिए महंगे ब्रांड पहनना जरूरी है?

- बिल्कुल नहीं। फैशन का संबंध कीमत से नहीं, बल्कि क्वालिटी और स्टाइलिंग से है। अगर किसी कपड़े की क्वालिटी अच्छी है और आपने उसे सही तरीके से कैरी किया है, तो वह किसी महंगे डिजाइनर आउटफिट से कम नहीं लगेगा। एक साधारण ब्लैक शर्ट भी सही स्टाइलिंग के साथ बेहद आकर्षक दिख सकती है।

हर व्यक्ति की वॉर्डरोब में कौन-से बेसिक रंग जरूर होने चाहिए?

- मेरी राय में हर व्यक्ति के पास सफेद, काला, बेज और मैरून रंग के आउटफिट जरूर होने चाहिए। ये ऐसे रंग हैं जो लगभग हर भारतीय स्किन टोन पर अच्छे लगते हैं और कभी फैशन से बाहर नहीं होते। इन्हें अलग-अलग तरह से स्टाइल करके कई मौकों पर पहना जा सकता है। ये हर वॉर्डरोब की मजबूत नींव होते हैं।

आजकल लोग ट्रेंड्स को आंख बंद करके फॉलो करते हैं। आप इसे कैसे देखती हैं?

मुझे लगता है कि यही आज की सबसे बड़ी गलती है। हर ट्रेंड हर व्यक्ति पर अच्छा नहीं लगता। फैशन का मतलब किसी सेलिब्रिटी या सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कॉपी करना नहीं है। असली फैशन तब होता है जब आपका पहनावा आपकी पर्सनैलिटी, बॉडी टाइप और आत्मविश्वास के अनुसार हो। एक डिजाइनर की जिम्मेदारी सिर्फ कपड़े बनाना नहीं, बल्कि अपने क्लाइंट को सही सलाह देना भी है।

2026 का सबसे बड़ा फैशन ट्रेंड क्या है?

इस समय स्ट्रक्चर्ड सिल्हूट्स, फिशटेल स्कर्ट्स और एलिगेंट ड्रेपिंग काफी ट्रेंड में हैं। लेकिन मैं हमेशा अपने क्लाइंट्स से यही कहती हूं कि ट्रेंड से ज्यादा जरूरी यह है कि कपड़ा उन पर कैसा लग रहा है। फैशन कभी भी 'वन साइज फिट्स ऑल' नहीं होता। हर व्यक्ति अलग होता है और डिजाइन भी उसी हिसाब से होना चाहिए।

एक डिजाइनर के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या होती है?

सबसे बड़ी चुनौती क्रिएटिविटी और प्रैक्टिकलिटी के बीच संतुलन बनाना है। हमें ऐसा डिजाइन तैयार करना होता है जो आज भी पसंद आए और कई साल बाद भी पुराना न लगे। इसके साथ-साथ क्वालिटी बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। हमारा प्रयास रहता है कि ग्राहक को उसके हर रुपये की कीमत मिले। फैब्रिक, एम्ब्रॉयडरी, फिटिंग और फिनिशिंग—हर चीज में गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया जाता।

लोग स्टाइलिंग में सबसे बड़ी गलती क्या करते हैं?

आज सोशल मीडिया का बहुत बड़ा प्रभाव है। लोग वही पहनना चाहते हैं जो इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहा है, लेकिन यह नहीं सोचते कि वह उन पर अच्छा भी लगेगा या नहीं। दूसरी बड़ी गलती रेडीमेड साइज पर निर्भर रहना है। जब कपड़ा आपकी सही फिटिंग के अनुसार बनता है, तो आपका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। सही फिटिंग ही सबसे बड़ा स्टाइल स्टेटमेंट है।

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

सरकारी जमीन के गलत मूल्यांकन पर 1 लाख तक जुर्माना, हरियाणा सरकार ने लागू की सख्त आचार संहिता

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। हरियाणा सरकार ने सरकारी भूमि और अन्य सरकारी परिसंपत्तियों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन को सुनिश्चित करने के लिए पैनलबद्ध मूल्यांकनकर्ताओं (Valuers) के लिए सख्त आचार संहिता लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले मूल्यांकनकताओं पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।

VOL: 11 | ISSUE 197 | SATURDAY 25-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था

लुधियाना की महिला इंस्पेक्टर ने रूरल SHO पर लगाए यौन शोषण के आरोप, 3 साल पहले इंस्टा पर दोस्ती, शादी से इंकार के बाद हुआ विवाद

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। पंजाब पुलिस की लुधियाना पुलिस कमिश्नरेट में तैनात महिला इंस्पेक्टर द्वारा रूरल थाने के एसएचओ पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। उन्होंने एसएचओ पर उनकी अश्लील वीडियो-फोटोज बनाने और फिर ब्लैकमेल करने के भी आरोप लगाए हैं। हालांकि महिला का कहना है कि उन्हें शादी का झांसा दिया गया और बाद में इंकार कर दिया। जिसके बाद विवाद बढ़ गया। इस संबंध महिला इंस्पेक्टर द्वारा उच्च अधिकारियों को शिकायत दी गई है। जिसकी जांच चल रही है। चर्चा है कि महिला अफसर ने जगराओं एसएसपी के समक्ष पेश होकर अपने बयान भी दर्ज करवा दिए हैं। जिसमें उन्होंने एसएचओ पर शादी का झांसा देकर कथित तौर पर शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण करने के गंभीर आरोप हैं। हालांकि मामले संबंधी लुधियाना सिटी और रूरल पुलिस कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन चर्चा है कि इस मामले संबंधी थाना दाखा में एफआईआर भी दर्ज की जा रही है। अभी महिला और पुरुष एसएचओ द्वारा मामले संबंधी सामने आकर कोई बयान नहीं दिया गया है।

एसएचओ को किया लाइन हाजिर, कार्रवाई जारी

चर्चा है कि इन आरोपों के बाद एसएचओ को लाइन हाजिर कर दिया गया है। महिला इंस्पेक्टर द्वारा एसएचओ पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। सूत्रों के अनुसार उक्त शिकायत पर विभागीय स्तर पर जांच जारी है। वहीं सूत्र तो यह भी कह रहे हैं कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है, लेकिन मामले को दबाने का प्रयास जारी है। हालांकि उच्च अधिकारियों द्वारा शिकायत आने और एफआईआर दर्ज करने संबंधी पुष्टि नहीं की जा रही।

पहले से शादीशुदा है एसएचओ

चर्चा है कि उक्त एसएचओ पहले से शादीशुदा है। जिसके बावजूद उसने इंस्पेक्टर के साथ शादी का वादा किया गया था। वहीं महिला का भी तलाक हो चुका है। महिला के पास एसएचओ से मिलने की तस्वीरें, वीडियो भी मौजूद है, वहीं होटल के भी पुख्ता सबूत मौजूद हैं, जिन्हें उच्च अधिकारीयों को सौंप दिया गया है। चर्चा है कि दोनों में जब विवाद शुरू हुआ तो विभागीय स्तर पर इसे सुलझाने का भी प्रयास किया गया। लेकिन समझौता नहीं हुआ और मामला बिगड़ता चला गया।

महिला लुधियाना सिटी और पुरुष रूरल में तैनात

चर्चा है कि आरोप लगाने वाली महिला इंस्पेक्टर है। मौजूदा समय में वे लुधियाना सिटी के एक थाने में तैनात है। वहीं पुरुष पंजाब पुलिस में सब इंस्पेक्टर है। उनकी नियुक्ति लुधियाना रूरल एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता के अधीन है। वे रूरल के एक थाने में एसएचओ तैनात है।

तीन साल पहले हुई थी दोस्ती, जबरन बनाए संबंध

चर्चा है कि महिला इंस्पेक्टर और एसएचओ की साल 2023 में इंस्टाग्राम के जरिए मुलाकात हुई थी। जिसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई। फिर दोनों में नजदीकियां बढ़ती गई। महिला इंस्पेक्टर का आरोप है कि एसएचओ द्वारा उन्हें बहाने से फिरोजपुर रोड के एक होटल में बुलाकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर रेप किया गया। जिसके बाद उसे शादी का झांसा दिया गया। इसके बाद उसने उसकी अश्लील वीडियो और फोटो बना ली। जिसे वायरल की धमकी देकर वे संबंध बनाता रहा। फिर उसने शादी से इंकार कर दिया और धमकियां देने लग गया। उसे मानसिक और शारीरिक तौर पर बुरी तरह से प्रताड़ित किया गया।

लुधियाना पुरानी कोतवाली में मोबाइल कारोबारी का अनोखा कारनामा

मोबाइल कारोबारी ने पहले शॉप में लगाई आग, फिर शटर बंद कर भागा, बाद में मचाया शोर, सीसीटीवी ने खोल दी पोल

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। लुधियाना में आए दिन एक से बढ़कर एक अनोखे मामले देखने को मिलते हैं। अब एक नया मामला लुधियाना के गुडमंडी नजदीक पुरानी कोतवाली एरिया का निकलकर सामने आया है। जहां पर एक मोबाइल शॉप पर भयानक आग लगती है। आग भी इतनी ज्यादा की पूरी शॉप और उसमें पड़ा सामान जलकर राख हो गया। लेकिन जब मार्केट वालों ने घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने रखी, तो पूरी कहानी ही बदल गई। फुटेज से पता चला कि कारोबारी द्वारा खुद ही शॉप में आग लगाई गई और फिर शटर बंद करके भाग गया। थोड़ी देर बाद जब पूरी शॉप आग की चपेट में आ गई तो अचानक आग लगने का शोर मचाने लगा। लेकिन कारोबारी की बुरी किस्मत कि पास के एक दुकानदार की दुकान बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे ने कारोबारी की पोल खोलकर रख दी है। अब मामले संबंधी थाना कोतवाली पुलिस को शिकायत की गई है। लेकिन इस घटना के बाद से कारोबारी हरी सिंह राजपूत फरार बताया जा रहा है।

आग लगाकर शॉप बंद करता कारोबारी व वर्कर

आग लगने से पूरी तरह जली शॉप

मेरे पर लगाए आरोप झूठे हैं

शॉप मालिक हरी सिंह राजपूत का कहना है कि उनके द्वारा आग लगाने की बात बिल्कुल झूठ है। मैं ऐसे करके अपना और अपने परिवार का भविष्य क्यों खराब करूंगा। मुझे हार्ट की दिक्कत होने के कारण हॉस्पिटल एडमिट हूं।

हरी ओम मोबाइल शॉप पर लगी थी आग...जानकारी के अनुसार पुरानी कोतवाली एरिया में हरी ओम मोबाइल शॉप के नाम से दुकान है। जिसके मालिक हरी सिंह राजपूत द्वारा मोबाइल डिस्पले, कवर व असेंसरी का काम किया जाता है। वीरवार रात करीब 10 बजे अचानक दुकान पर आग लग गई। आग लगी देखकर आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना हरी सिंह और फायर ब्रिगेड विभाग को दी।

तंग गलियों में नहीं जा सकी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां...पुरानी कोतवाली एरिया काफी तंग होने के बावजूद लोगों द्वारा अवैध तरीके से इमारतें बनवाई जा रही है। जिसका नतीजा वीरवार रात को लगी आग में देखने को मिला। दरअसल, तंग गलियां होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी अंदर नहीं जा सकी। जिसके चलते गाड़ियां बाहर खड़ी करके पानी की पाइपें अंदर ले जाकर आग बुझाई गई। दो गाड़ियों की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

दो साल पहले भी लगी थी आग...वहीं मार्केट के दुकानदारों का कहना है कि उक्त हरी सिंह राजपूत की दुकान पहले सामने की तरफ थी। वहां पर भी दो साल पहले आग लगी थी। जिसमें उसका सारा सामान जल गया था। चर्चा है कि फिर मुंबई के एक बड़े मोबाइल कारोबारी ने उसकी दोबारा स्टैंड होने में सहायता की थी। जिसके बाद उसने शॉप सामने की तरफ शिफ्ट कर ली। वहीं चर्चा है कि हरी सिंह की काफी देनदारी थी। जिसके चलते उसने आग लगाई, ताकि उसका बचाव हो सके।

फुटेज ने खोल दिए राज...मामले की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। जिसमें वीरवार रात करीब 10.04 बजे हरी सिंह द्वारा आग लगाई जाती है, आग लगाते ही धमाका होने पर वे भागकर बाहर आ जाता है। जिसके बाद वह जल्दी से शटर को लॉक लगाते है और वहां से भाग जाते हैं। एक मिनट बाद ही दुकान में एक के बाद एक कई धमाके होते है और आग फैल जाती है। जिसके बाद शोर पड़ जाता है। फिर हरी सिंह मौके पर पहुंचते है और ऐसे दिखाते हैं कि उन्हें कुछ पता ही नहीं। लेकिन दुकानदारों ने जब सीसीटीवी फुटेज देखी जो राज खुल गए।

यूटर्न टाइम

टी-सीरीज में गाने की डील न होने पर म्यूजिक कंपनी के मालिक से मारपीट, पिस्टल तानकर दी जान से मारने की धमकी

मटौर थाने में पंजाबी सिंगर दिलप्रीत सिंह ढिल्लों के खिलाफ मामला दर्ज

मोहाली/यूटर्न/24 जुलाई। टी-सीरीज में गाने की रिकॉर्डिंग की डील न होने की रंजिश को लेकर एक म्यूजिक कंपनी संचालक से मारपीट करने, पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मटौर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी पंजाबी सिंगर दिलप्रीत सिंह ढिल्लों निवासी ईडन कोर्ट, सेक्टर-91 मोहाली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में चंडीगढ़ के सेक्टर-20ए निवासी रेयमंत मरवाहा ने बताया कि वह पिछले करीब पांच वर्षो से एक म्यूजिक कंपनी संचालित कर रहा है। उसकी पहचान दिलप्रीत सिंह ढिल्लों से थी। करीब पांच-छह महीने पहले दिलप्रीत ने टी-सीरीज में गाने की रिकॉर्डिंग की डील करवाने के लिए उससे संपर्क किया था। उसने टी-सीरीज कंपनी के अधिकारियों से बातचीत भी

करवाई, लेकिन किन्हीं कारणों से यह डील पूरी नहीं हो सकी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि जब उसने अपनी मजबूरी बताई तो ढिल्लों ने उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि ढिल्लों उसे दूसरे कमरे में ले गया, जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से हमला किया और उसके शरीर पर कई चोटें पहुंचाई। इसी दौरान उसने अपनी पिस्टल निकालकर उसकी ओर तान दी और जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर आरोपी वहां से फरार हो गया, लेकिन जाते-जाते उसे और उसके परिवार को भी जान से मारने की धमकी देता रहा।

घायल रेयमंत मरवाहा इलाज के लिए सिविल अस्पताल फेज-6, मोहाली पहुंचे, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। इसके बाद उन्होंने मटौर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी दिलप्रीत सिंह ढिल्लों के खिलाफ बीएनएस की धाराएं 115(2), 126(2), 351(2) व आर्म्स एक्ट की धारा 25/27/54/59 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र -अभिभावक संघ ने जंतर-मंतर मार्च के दौरान छात्रों पर हुए पुलिस दमनकारी लाठीचार्ज करने की कड़े शब्दों में निंदा

निर्मल सिंह विर्क

पानीपत/यूटर्न/24 जुलाई। छात्र अभिभावक संघ ने दिल्ली जंतर मंतर पर हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा दमनकारी - लाठी चार्ज करने की कड़े शब्दों में निंदा की है। पानीपत जिला लघु सचिवालय पर छात्र अभिभावक संघ ने जिला पानीपत की तरफ से विरोध प्रदर्शन किया। और इस घटना को ब्रिटिश शासन काल से जोड़कर जलियांवाला बाग कांड की याद को ताजा कर किया।

छात्रों पर लाठीचार्ज घातक हथियारों से हमला का आदेश देने वाला अंग्रेजी साम्राज्यवाद के जनरल डायर की जगह देश के गृहमंत्री अमित शाह ने लेकर आदेश दिल्ली पुलिस को दिया। और देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, शिक्षा मंत्री से त्यागपत्र देने की मांग की । उन्होंने जनता से

अपील कि अपने बच्चों के भविष्य बचाने के संघर्ष में भाजपा नेतृत्व वाली तानाशाह मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की देश के बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने वाली शिक्षा नई नीति, नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर रात जागो-देश जगाओ अभियान के तहत अपने शहर और गांव की बस्तियों में छात्र आंदोलन के समर्थन में कैंडल मार्च और रोष जुलूस निकालें। आज 24 जुलाई रात को पूरे देश के अंदर देश की जनता छात्र आंदोलन के समर्थन में देश के सभी जिला मुख्यालयों पर रात्रि जागरण कार्यक्रम करेगी।

इसी अभियान के तहत पानीपत के अंदर संविधान चौक पर धरना दिया जाएगा और शहर में जुलूस निकाला जाएगा। इस कार्यक्रम में पानीपत के अभिभावक वह छात्र भाग लेंगे। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व छात्र अभिभावक संघ की तरफ से कामरेड सुनील दत्त, कौमी एकता मंच के जिला संयोजक संजय सिंह एडवोकेट, जय भगवान, गुलाब सिंह कर रहे थे। अभिभावक संघ ने सभी विपक्षी पार्टियों, प्रगतिशील बुद्धिजीवी लोगों से छात्र आंदोलन के का हिस्सा बनकर उन्हें हौंसला प्रदान करें।

पारस हेल्थ पंचकूला में शुरू हुआ एरिथमिया क्लीनिक, हार्ट रिदम डिसऑर्डर का होगा आधुनिक इलाज

पंचकूला/यूटर्न/24 जुलाई। पारस हेल्थ पंचकूला ने एडवांस्ड कार्डियक केयर को मजबूत करते हुए एरिथमिया क्लीनिक और एडवांस्ड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी (ईपी) स्टडी सेवाओं की शुरूआत की है। इस नई सुविधा के माध्यम से अनियमित हृदय गति (हार्ट रिदम डिसऑर्डर) से पीड़ित मरीजों को आधुनिक जांच और अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन की मौजूदगी में नई सेवाओं का शुभारंभ किया गया। क्लीनिकल टीम का नेतृत्व डॉ. (मेजर जनरल) नवीन अग्रवाल, डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. अंकुर गुप्ता और डॉ. करण डांग कर रहे हैं।

नई सुविधा में एट्रियल फाइब्रिलेशन, एसवीटी, वेंट्रिकुलर एरिथमिया, हार्ट ब्लॉक, सिंकोप और बार-बार धड़कन तेज होने जैसी समस्याओं की जांच और उपचार किया जाएगा। एडवांस्ड ईपी स्टडी के जरिए हृदय की विद्युत प्रणाली की सटीक जांच कर मरीजों को कैथेटर एब्लेशन, पेसमेकर प्रत्यारोपण और आईसीडी थेरेपी जैसी आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पारस हेल्थ पंचकूला के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि इस नई सुविधा से मरीजों को विश्वस्तरीय हार्ट रिदम उपचार अपने क्षेत्र में ही मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ टीम के माध्यम से मरीजों को बेहतर एवं समग्र कार्डियक केयर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

'कर भला हो भला' संस्था ने आदर्श कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल को भेंट की चेयर

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/जुलाई। शिक्षा के क्षेत्र में और सामाजिक हित में निरंतर कार्यरत अग्रणी संस्था 'कर भला हो भला' द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। संस्था की ओर से स्थानीय आदर्श कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल को सुविधा के लिए 16 चेयर भेंट की गई है। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता अरोड़ा और उप-प्रिंसिपल शिफाली कटियाल ने संस्था के इस सहयोगात्मक कदम की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

कार और ट्रक में हुई भयानक टक्कर, इंजन निकलकर दूर गिरा, कारोबारी की मौत, साथी जख्मी

खन्ना/यूटर्न/24 जुलाई। मंडी गोबिंदगढ़ में अमलोह रोड पर देशभक्त यूनिवर्सिटी के पास गुरुवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसका इंजन लगभग 20 फुट दूर जा गिरा। इस दुर्घटना में एक युवा कारोबारी की मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते लुधियाना के डीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मृतक दिनेश अरोड़ा उर्फ काकू की फाइल फोटो

मृतक की पहचान अमलोह के दिनेश अरोड़ा उर्फ काकू के रूप में हुई है, जबकि जख्मी आशु गोयल है। मामले की सूचना मिलने पर थाना अमलोह की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लाश कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह हादसा रात करीब 11 बजे हुआ, जब दोनों मंडी गोबिंदगढ़ से कार में सवार होकर अमलोह लौट रहे थे। इस दौरान उनकी तेज रफ्तार कार एक ट्रक से टकरा गई।

मोबाइल कंपनी का संचालक था मृतक...मृतक दिनेश अरोड़ा उर्फ काकू अमलोह में अरोड़ा मोबाइल कंपनी के संचालक थे। हादसे में जख्मी आशु गोयल स्टाइल गैलरी के मालिक हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि हादसे के बाद दिनेश अरोड़ा के गले से सोने की चेन, एक मोबाइल फोन और पर्स गायब मिले। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों और गायब हुए सामान के संबंध में जांच शुरू कर दी है। दिनेश अरोड़ा शहर के एक जाने-माने युवा कारोबारी थे। उनके परिवार में मां, पत्नी और सात व तीन वर्ष के दो बच्चे हैं। उनकी बहन ऑस्ट्रेलिया से लौट रही हैं, जिसके बाद 25 जुलाई को अमलोह में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 हर मौसम में डटे रहेंगे ट्रैफिक पुलिसकर्मी, पंचकूला...

माया गार्डन के कई प्रोजेक्टों पर सवाल, देरी और सुविधाओं की कमी से खरीदारों की बढ़ीं मुश्किलें

रिफंड, अधूरे निर्माण और वादे पूरे न होने के आरोपों पर उपभोक्ता आयोग से हाईकोर्ट तक पहुंचे मामले

जीरकपुर/यूटर्न/24 जुलाई। ट्राइसिटी के सबसे चर्चित रियल एस्टेट डेवलपर्स में शामिल माया गार्डन ग्रुप के कई प्रोजेक्ट भी पिछले कुछ वर्षों से विवादों में रहे हैं। माया गार्डन सिटी, माया गार्डन मैग्नेशिया, माया गार्डन फेज-1, फेज-2 और फेज-3 सहित कई परियोजनाओं में खरीदारों ने कब्जे में देरी, अधूरी सुविधाएं, निर्माण की गुणवत्ता और रिफंड न मिलने जैसे आरोप लगाए। इन मामलों में कई खरीदार उपभोक्ता आयोग, पंजाब रेरा और पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट तक पहुंचे।

जीरकपुर के तेजी से विकसित हो रहे इलाके में माया गार्डन ग्रुप ने किफायती और मिड-सेगमेंट हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किए थे। हजारों लोगों ने अपने घर का सपना पूरा करने के लिए इन परियोजनाओं में निवेश किया। शुरूआती वर्षों में बुकिंग तेज रही, लेकिन समय बीतने के साथ कई परियोजनाओं में निर्माण कार्य की गति धीमी पड़ने लगी। खरीदारों का आरोप है कि तय समय पर कब्जा नहीं मिला और कई टावर लंबे समय तक अधूरे रहे।

माया गार्डन मैग्नीशिया की फाइल फोटो

अधूरी सुविधाओं को लेकर बढ़ा विवाद

कई रेजिडेंट्स ने आरोप लगाया कि परियोजना में क्लब हाउस, पार्किंग, सीवरेज, सडक, फायर सेफ्टी और अन्य मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह विकसित नहीं की गई। कुछ मामलों में नगर परिषद और फायर विभाग ने भी आवश्यक मानकों को लेकर आपत्तियां दर्ज कीं। खरीदारों का कहना है कि फ्लैट मिलने के बाद भी उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ा।

उपभोक्ता आयोग से मिली राहत

- माया गार्डन से जुड़े कई मामलों में खरीदारों ने उपभोक्ता आयोग का रुख किया। हाल के एक मामले में आयोग ने बिल्डर को खरीदार की जमा राशि ब्याज सहित लौटाने और मुआवजा देने का आदेश दिया। आयोग ने माना कि समय पर कब्जा न देना और अनुबंध के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध न कराना सेवा में कमी की श्रेणी में आता है।

रेरा और हाईकोर्ट तक पहुंचे विवाद

- परियोजना से जुड़े कई विवाद पंजाब रेरा में भी पहुंचे, जहां खरीदारों ने कब्जा, रिफंड और परियोजना की प्रगति को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं। कुछ मामलों में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी याचिकाएं दाखिल हुईं, जिनमें अधूरी सुविधाओं और प्रशासनिक मंजूरियों से जुड़े मुद्दे उठाए गए।

खरीदारों का आरोप

- रेजिडेंट्स व निवेशकों का कहना है कि वर्षों तक ईएमआई और किराया दोनों का बोझ उठाना पड़ा। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगाई, लेकिन समय पर घर नहीं मिला। कई बार खरीदारों ने एकजुट होकर बिल्डर कार्यालय और प्रशासन के समक्ष प्रदर्शन भी किए और सरकार से हस्तक्षेप की मांग की।

बिल्डर का पक्ष

माया गार्डन ग्रुप ने विभिन्न मामलों में न्यायिक मंचों पर अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि कई परियोजनाओं में निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष कार्य नियमानुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। कंपनी ने कई मामलों में खरीदारों के आरोपों से असहमति भी जताई है।

वर्तमान स्थिति

माया गार्डन की अधिकांश परियोजनाओं में बड़ी संख्या में परिवार रह रहे हैं, लेकिन कुछ प्रोजेक्टों से जुड़े रिफंड, अधूरी सुविधाओं और निर्माण गुणवत्ता के विवाद अभी भी विभिन्न न्यायिक मंचों पर लंबित हैं। खरीदारों को उम्मीद है कि रेरा, उपभोक्ता आयोग और अदालतों के माध्यम से उन्हें जल्द राहत मिलेगी।

वांगचुक ने अनशन तोड़ा; विरोध जारी; सरकार ने शुक्रवार तक का समय मांगा: CJP

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। केंद्र से कुछ आश्वासन मिलने के बाद सोनम वांगचुक ने अपना अनशन तोड़ दिया, लेकिन उखढ ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने उनकी मांगों पर जवाब देने के लिए शनिवार दोपहर तक का समय मांगा है। इससे पहले, CJP के प्रतिनिधियों और सरकार के बीच अहम बैठक हुई। सरकार का प्रतिनिधित्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और ढटड में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने किया। CJP का प्रतिनिधित्व प्रवक्ता सौरव दास और एक अन्य सदस्य ने किया। बैठक के बाद, CJP के प्रवक्ता आशुतोष रंका और सौरव दास ने कहा कि उनकी मांगें वही हैं, बस एक अतिरिक्त मांग यह है कि विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ कोई मामला दर्ज न किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभी तक कोई आश्वासन नहीं दिया है और उनकी मांगों पर जवाब देने के लिए शनिवार तक का समय मांगा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर प्रवक्ताओं ने कहा कि बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों वाली याचिकाओं पर 27 जुलाई को सुनवाई होगी सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को NEET पेपर लीक के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर 27 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच के सामने उठाया गया। सीनियर वकील श्याम दीवान और गोपाल शंकरनारायणन ने यह मामला उठाया। बेंच से मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह करते हुए, शंकरनारायणन ने कहा कि दोनों याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं और सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने उन्हें नंबर भी दे दिया है।

इस्तीफे से पहले बिट्टू ने खोली 14.38 करोड़ के बास्केटबॉल हॉल की पोल, पंजाब सरकार को ठहराया जिम्मेदार

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। गुरु नानक स्टेडियम में 14.38 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए बास्केटबॉल हॉल का एक साल पूरा होने से पहले छत से पानी टपकने लगा। वहीं फ्लोरिंग को उखाड़कर दोबारा लगाया जा रहा है। इस मामले में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया गया है। उनका कहना है कि पंजाब सरकार की लापरवाही के कारण आज युवाओं और प्लेयर्स का भविष्य खराब हो रहा है। उनके साथ धोखा किया गया है। जिसके लिए पंजाब की जनता कभी भी सरकार को माफ नहीं करेगी। दूसरी तरफ इस मामले के तूल पकड़ने पर कमीशन लेने वाले दो अफसरों की हाथ पांव की पड़ चुकी है। उनकी और से खुद को बचाने के चक्कर में अब फ्लोरिंग का काम तेज रफ्तार से कराने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि काम जल्द खत्म हो और मामला शांत हो सके। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि इस मामले में अभी तक नगर निगम कमिश्नर ओजस्वीं द्वारा न तो कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया और न ही ठेकेदार व जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की गई है।

बास्केटबॉल हॉल की खस्ता हालत

रवनीत बिट्टू ने दिया इस्तीफा...वहीं पीएम नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद से रवनीत सिंह का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह निर्णय भारतीय संविधान के आर्टिकल 75(2) के के तहत लिया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बता दें रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को ही समाप्त हो गया था। इस बीच चर्चा छिड़ गई है कि वे पंजाब विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत अजमा सकते हैं।

साढ़े 13 प्रतिशत कमीशन का हुआ खेल

चर्चा है कि इस बास्केटबॉल हॉल का टेंडर जनवरी 2023 में अलॉट हुआ था। पहले टेंडर 11.26 करोड़ का था। जिसे जुलाई 2023 तक पूरा करना था। इसमें पूर्व एसई द्वारा साढ़े आठ प्रतिशत और एक उच्च अधिकारी कम नेता द्वारा पांच प्रतिशत कमीशन ली गई। ज्यादा कमीशन बांटने के कारण ठेकेदार को मुनाफा नहीं हुआ। अफसरों ने ठेकेदार की भरपाई कराने को टेंडर की लागत बढ़ाकर 14.38 करोड़ कर दी। हालांकि उसमें कारण डिजाइन में बदलाव, अमेरिकन मैपल वुड लगाना और अतिरिक्त कार्यों को बताया गया। बार-बार हुई देरी के कारण यह परियोजना आखिरकार साल 2025 में पूरी हुई।

यूटर्न द्वारा मुद्दा उठाने के बाद बिट्टू ने लिया संज्ञान...जानकारी के अनुसार यूटर्न टाइम अखबार द्वारा बास्केटबॉल हॉल में हुए घोटाले को प्रमुख्ता से प्रकाशित कर सच्चाई सामने लाई गई। जिसके बाद पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू द्वारा मामले में संज्ञान लिया गया। बिट्टू ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट सांझी करते लिखा गया कि यह बेहद शर्मनाक है कि लगभग 14.38 करोड़ की लागत से बने लुधियाना के गुरु नानक स्टेडियम का बास्केटबॉल कोर्ट आज पंजाब सरकार की अनदेखी के आंसू रो रहा है। हमारे होनहार युवा खिलाड़ी, जो पूरे उत्तर भारत से देश का नाम रोशन करने के सपने लेकर आते हैं, उन्हें बारिश के दिनों में टपकती छत के नीचे खेलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह सिर्फ एक इमारत की खराब हालत नहीं है, बल्कि पंजाब के युवाओं और खिलाड़ियों के साथ बड़ा धोखा है।

FICCI FLO Ludhiana में मेजर प्राजक्ता देसाई ने साझा किए सेना के अनसुने अनुभव, महिलाओं में भरा जोश

लुधियाना।/यूटर्न/24 जुलाई। फिक्की फ्लो लुधियाना द्वारा आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम रबियॉन्ड द बैटलफील्डर में पूर्व भारतीय सेना अधिकारी मेजर प्राजक्ता देसाई ने अपने जीवन के संघर्ष, सेना के अनुभव और देशसेवा के प्रति समर्पण की प्रेरक कहानियां साझा कर उपस्थित महिलाओं को भावुक होने के साथ-साथ प्रेरित भी किया। कार्यक्रम में शहर की बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया और मेजर देसाई के अनुभवों को पूरे उत्साह और रुचि के साथ सुना।

कार्यक्रम की अध्यक्षता फिक्की फ्लो लुधियाना की चेयरपर्सन ऐशनी सेठी ने की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रेरणादायक हस्तियां समाज में महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने का साहस देती हैं।

संवाद के दौरान मेजर प्राजक्ता देसाई ने बताया कि उनका बचपन मुंबई की एक साधारण चॉल में बीता। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बड़े सपने देखे और समाज में लड़कियों को लेकर बनी रूढ़िवादी सोच को चुनौती देते हुए भारतीय सेना में अधिकारी बनने का लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने कहा कि उनका यह सपना फिल्म 'बॉर्डर' देखने के बाद शुरू हुआ था। फिल्म ने उनके भीतर देशसेवा का ऐसा जुनून जगाया कि उन्होंने उसी दिन तय कर लिया था कि वह एक दिन सेना की वर्दी जरूर पहनेंगी।

उन्होंने सेना के जीवन की कठिनाइयों, अनुशासन और जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सेना केवल सीमा पर लड़ने का नाम नहीं है, बल्कि हर पल देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए तैयार रहने की जीवनशैली है। सेना में हर निर्णय टीम भावना, अनुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर लिया जाता है।

मेजर देसाई ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि ऐसे अभियानों के दौरान सैनिकों पर मानसिक और शारीरिक दोनों तरह का दबाव होता है, लेकिन देश की सुरक्षा का संकल्प उन्हें हर चुनौती का सामना करने की शक्ति देता है। उन्होंने सेना में अपने संघर्षों, कठिन प्रशिक्षण और उन परिस्थितियों का भी उल्लेख किया, जहां उन्हें स्वयं को बार-बार साबित करना पड़ा। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और आत्मविश्वास मजबूत हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां कभी किसी की सफलता तय नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति का हौसला और मेहनत उसकी मंजिल तय करते हैं।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

यह कैसा धरना-प्रदर्शन है भाई ?

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार प्राप्त है। लेकिन जब किसी भी आंदोलन को लेकर यह दावे सामने आते हैं कि प्रदर्शनकारियों के लिए विदेशों से भोजन, धन या अन्य प्रकार की सहायता भेजी जा रही है, तो ऐसे दावों की सत्यता की निष्पक्ष जाँच आवश्यक हो जाती है। केवल अफवाहों या अपुष्ट जानकारियों के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार अधूरी या भ्रामक जानकारी तेजी से फैलती है। किसी भी खबर पर विश्वास करने से पहले उसके स्रोत, प्रमाण और आधिकारिक जानकारी की जाँच करना बेहद जरूरी है। यदि किसी आंदोलन में वास्तव में विदेशी हस्तक्षेप या अवैध वित्तीय सहायता होती है, तो इसकी जाँच और कार्रवाई संबंधित सरकारी एजेंसियों का विषय तो है ही पर यह भी जरूरी है कि युवा इसके पीछे के कारणों को अपने दिमाग से भी समझ कर कोई कदम उठाएं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि नागरिक जागरूक रहें, तथ्यों के आधार पर अपनी राय बनाएं और किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार का हिस्सा न बनें। युवाओं को भावनाओं के बजाय विवेक से काम लेना चाहिए तथा देशहित को सर्वोपरि रखते हुए सत्य और प्रमाण आधारित जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए। जागरूक नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

KYC Update के नाम पर होने वाली ठगी से कैसे बचें?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आजकल Cyber Fraud का एक आम तरीका है — KYC Update के नाम पर लोगों को ठगना। Fraud करने वाले व्यक्ति बैंक, RBI, Paytm, PhonePe, Google Pay या किसी अन्य संस्था का अधिकारी बनकर फोन करते हैं और कहते हैं कि आपका KYC पूरा नहीं है।

वे डराते हैं कि यदि तुरंत KYC Update नहीं किया गया, तो आपका बैंक खाता, UPI या Wallet बंद हो जाएगा।

इसके बाद वे एक Link भेजते हैं, कोई App डाउनलोड करवाते हैं या OTP, UPI PIN, Debit Card Number, CVV जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं।

ध्यान रखें कि KYC Update कभी भी फोन पर OTP, PIN या Password बताकर नहीं किया जाता। यदि KYC की आवश्यकता होती है, तो बैंक आपको अपनी शाखा (Branch) में बुलाता है या अपनी आधिकारिक Website या Mobile App के माध्यम से प्रक्रिया पूरी करवाता है।

यदि आपको ऐसा कोई फोन आए, तो घबराएं नहीं। कॉल तुरंत काट दें और सीधे अपने बैंक की Official Customer Care या Branch से संपर्क करें।

यदि आपने गलती से किसी को जानकारी दे दी है या पैसे कट गए हैं, तो तुरंत अपने बैंक को सूचना दें और 1930 Cyber Helpline तथा National Cyber Crime Portal पर शिकायत दर्ज करें।

निष्कर्ष: KYC के नाम पर OTP, UPI PIN, Password या Card Details मांगने वाला व्यक्ति Fraud हो सकता है। हमेशा केवल बैंक के आधिकारिक माध्यमों से ही KYC Update करें और किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करें।

सात दिन बाद भी नहीं बदले टूटे ढक्कन, खुले ड्रेनेज दे रहे हादसों को न्योता

मेजर अली

जीरकपुर/यूटर्न/24 जुलाई। बलटाना के वार्ड नंबर-3 में खुले और टूटे ड्रेनेज के ढक्कन लोगों के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। नगर परिषद अधिकारियों ने एक सप्ताह पहले मौके का निरीक्षण कर अगले दिन समस्या का समाधान करवाने का भरोसा दिया था, लेकिन सात दिन बीतने के बाद भी न तो नए ढक्कन लगाए गए और न ही क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करवाई गई। इससे स्थानीय लोगों में नगर परिषद के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र में कई स्थानों पर ड्रेनेज के ढक्कन टूटे हुए हैं, जबकि कुछ जगहों पर ढक्कन पूरी तरह गायब हैं। सड़क के बीच बने गहरे गड्ढों में आए दिन दोपहिया और चारपहिया वाहनों के टायर फंस रहे हैं। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों ने बताया कि बारिश के दौरान खुले ड्रेनेज पानी से भर जाते हैं और गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और पैदल चलने वाले लोगों के ड्रेनेज में गिरने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद नगर परिषद केवल आश्वासन देकर जिम्मेदारी से बच रही है।

यूटीसीए क्रिकेटर अदिति श्योराण को मिला अचीवर्स अवार्ड-2026

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 7वें एंटरप्रेन्योर एंड अचीवर्स अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान चंडीगढ़ के सेक्टर-31 स्थित पीएचडी चैंबर में मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया (एमएफआई) और पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

सेक्टर-9 स्थित कार्मल कान्वेंट स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा अदिति को यह सम्मान हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह और ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर अल्बा स्मेरिग्लियो ने प्रदान किया। अदिति चंडीगढ़ प्रशासन की सेक्टर-16 क्रिकेट अकादमी की पहली महिला ट्रेनी रही हैं और अंडर-15 व अंडर-19 वर्ग में यूटीसीए की ओर से बीसीसीआई वनडे चैंपियनशिप में चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वर्ष 2025 में उन्होंने नेशनल स्कूल गेम्स में चंडीगढ़ अंडर-19 टीम की कप्तानी भी की थी। क्रिकेट के अलावा अदिति ने तीन अलग-अलग खेलों में भी राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है। उन्हें इससे पहले चंडीगढ़ प्रशासन का स्टेट अवार्ड, पंजाब यूनिवर्सिटी एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स अवार्ड और हरियाणा सरकार सहित कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

समारोह में उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 32 हस्तियों को सम्मानित किया गया। यूटीसीए के पूर्व अध्यक्ष संजय टंडन ने अदिति को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यूटर्न टाइम

मुख्यमंत्री सेहत योजना में फजीवाड़ा करने पर 14 अस्पतालों को 78.67 लख रुपए का जुर्माना, जालंधर का एक अस्पताल ब्लैक लिस्ट

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री सेहत योजना (Mukh Mantri Sehat Yojana-MMSY) में कथित अनियमितताओं और फजीवाड़े आने पर राज्य के 14 अस्पतालों को 78.67 लख रुपए का जुमार्ना किया गया है जबकि जालंधर के सर्वोदय अस्पताल को योजना से डी-एम्पैनल (सूची से बाहर) कर दिया है।

अब यह अस्पताल मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत मरीजों को कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं दे सकेगा। इस फजीवाडे की पुष्टि स्वयं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने करते हुए बताया कि योजना के नियमों के उल्लंघन और कथित धोखाधड़ी की शिकायतों की जांच कराई गई थी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर सर्वोदय अस्पताल को पैनल से

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर बलबीर सिंह

हटा दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ह्फजीवाड़े में शामिल किसी भी व्यक्ति या संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान जिन 6 मरीजों के परिजनों से कथित तौर पर अवैध रूप से पैसे वसूले गए थे, वह राशि वापस दिलाई गई है। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों की नियमित ऑडिट और निरीक्षण किए जा रहे हैं। यदि कोई अस्पताल योजना के तहत नियमों का उल्लंघन करता पाया गया यह झूठे क्लेम सबमिट किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यहां यह भी गौरतलब है कि लुधियाना में राज्य में सबसे अधिक 50.3 लाख ई हेल्थ कार्ड जारी किए गए हैं अतीत में यहां इस योजना के तहत गलत क्लेम लॉज करने के कई मामले सामने आए जिनकी शिकायत सरकार के पास पहुंची परंतु वह किसी तरह कठोर कार्रवाई से बच गए लोगों का कहना है कि जो भी अस्पताल इंश्योरेंस क्लेम में हेरा फेरी करते पाया जाता है उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए तथा उसे ब्लैक लिस्ट कर देना चाहिए। 30 अस्पतालों ने मुख्यमंत्री सेहत योजना से अपना नाम वापस लेने को आवेदन किया।

बारिश में धंसने लगी इंटरलॉकिंग टाइलें, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल, आनंद विहार और सैनी विहार फेस-1 में सड़क पर बने गड्ढे, हादसे का खतरा

जीरकपुर/यूटर्न/24 जुलाई। मानसून की बारिश ने शहर के आनंद विहार और सैनी विहार फेस-1 में इंटरलॉकिंग टाइलों से बनी सड़कों की गुणवत्ता की पोल खोलनी शुरू कर दी है। कई स्थानों पर टाइलें धंसने से सड़क पर गड्ढे बन गए हैं। इससे दोपहिया वाहन चालकों, राहगीरों और बुजुर्गों के लिए हादसे का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर परिषद का कोई अधिकारी अभी तक मौके पर निरीक्षण करने नहीं पहुंचा।

क्षेत्रवासियों के अनुसार, बारिश का पानी सड़क के नीचे पहुंचने से मिट्टी कमजोर हो रही है। यदि जल्द मरम्मत नहीं करवाई गई तो टाइलें और अधिक धंस सकती हैं। लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर टाइलों के नीचे सड़क खोखली नजर आ

रही है, जिससे कभी भी बड़ा हिस्सा बैठ सकता है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि इंटरलॉकिंग टाइलें बिछाते समय निर्माण की गुणवत्ता और टेंडर में तय मापदंडों का पालन नहीं किया गया। सड़क के नीचे पर्याप्त बेस और मिट्टी को सही तरीके से दबाई नहीं होने के कारण

पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने का भी खतरा

सैनी विहार फेस-1 के निवासियों ने बताया कि सड़क के नीचे पेयजल आपूर्ति की पाइपलाइन बिछी हुई है, जबकि दूसरी ओर बरसाती पानी की निकासी के लिए लाइन बनाई गई है। सड़क लगातार धंसने से पेयजल पाइपलाइन टूट सकती है। इससे पानी की आपूर्ति बाधित होने के साथ लीकेज के कारण सड़क और अधिक खोखली होने की आशंका है। लोगों का कहना है कि समय रहते पाइपलाइन और सड़क की जांच नहीं की गई तो समस्या गंभीर रूप ले सकती है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने के कारण वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा भी नहीं लग पाता।

बारिश शुरू होते ही टाइलें अपनी जगह छोड़ने लगी हैं।

पीएयू स्टूडेंट की थार और एंडेवर में हुई भयानक टक्कर, एयरबैग तक खुले

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। शुक्रवार को पीएयू के गेट नंबर 5 के पास पीएयू स्टूडेंट की थार गाड़ी और एंडेवर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एंडेवर के एयरबैग तक खुल गए। पूरी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सूचना मिलते ही थाना पीएयू की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे, जिसके चलते यह हादसा हुआ। दुर्घटना में दोनों वाहनों को नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। थार चालक अतुल ने बताया कि वे पीएयू में फूडटेक का स्टूडेंट है। वह ह सामान्य गति से वाहन चला रहा था। उसके अनुसार अचानक एंडेवर ने उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे हादसा हुआ।

चालक ने दावा किया कि दुर्घटना में उसकी कोई गलती नहीं थी और वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं एंडेवर में मौजूद गनमैन ने बताया कि यह वाहन कुलदीप सिंह गिल का है और वह सुरक्षा कर्मी के रूप में उनके साथ मौजूद था। उसने कहा कि दोनों वाहनों की आपस में टक्कर हुई है, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए हैं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कैसे जेन जेड ने बीजेपी के आईटी सेल को मात दी

करीब बारह सालों तक, बीजेपी के आईटी सेल को भारत की सबसे मजबूत पॉलिटिकल कम्युनिकेशन मशीन माना जाता था। यह टीवी डिबेट शुरू होने से पहले ही एजेंडा तय कर देता था, ऐसे हैशटैग बनाता था जो सोशल मीडिया पर छा जाते थे, कुछ ही मिनटों में हजारों वॉलंटियर्स को इकट्ठा कर लेता था और अक्सर राजनीतिक विरोधियों को बैकफुट पर धकेल देता था। यह सिर्फ. एक कैंपेन टूल नहीं था; यह एक ऐसी संस्था बन गई थी जो राजनीतिक नैरेटिव को आकार देती थी। फिर आया जेन जेड। महंगे वॉर रूम के जरिए नहीं। संगठित पदानुक्रम के जरिए नहीं। पार्टी के आधिकारिक ढांचे के जरिए नहीं। बल्कि मीम्स, व्यंग्य, मजाक और ऐसे इंटरनेट कल्चर के जरिए जो सिर्फ. इसलिए किसी अथॉरिटी का सम्मान करने से इनकार करता है क्योंकि अथॉरिटी इसकी मांग करती है। और जंतर-मंतर पर जेन जेड, बीजेपी के आईटी सेल से मीलों आगे था।

संदीप शर्मा, सम्पादक

बीजेपी का डिजिटल दबदबा उस दौर के लिए बना था जब जानकारी एक सीधी लाइन में चलती थी, नेताओं से समर्थकों तक और फिर जनता तक। आज का इंटरनेट अलग तरह से काम करता है। यह विकेंद्रीकृत है, अव्यवस्थित है और इसे कंट्रोल करना नामुमकिन है। सबसे असरदार कंटेंट बनाने वाले अक्सर अनजान टीनएजर्स होते हैं जिनके पास स्मार्टफोन होता है, न कि पार्टी के पदाधिकारी जिनके पास स्प्रेडशीट होती है। बीजेपी ने मैसेजिंग की राजनीति में महारत हासिल की। जेन जेड ने रीमिक्सिंग की राजनीति में महारत हासिल की। हर सोच-समझकर बनाए गए राजनीतिक नारे के कुछ ही मिनटों में मीम बन जाने का खतरा रहता है। हर आधिकारिक कैंपेन वीडियो को ओरिजिनल वीडियो के व्यूज बढ़ने के दौरान ही क्लिप, एडिट और व्यंग्य में बदला जा सकता है। इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और वायरल कल्चर में पली-बढ़ी पीढ़ी राजनीति को भी वैसे ही देखती है जैसे मनोरंजन को तेजी से, बिना किसी सम्मान के और आधिकारिक नैरेटिव के लिए ज्यादा सब्र रखे बिना। यह एक बड़ा बदलाव है। बीजेपी का आईटी सेल तब बहुत अच्छा काम करता था जब फेसबुक, एक्स और व्हॉट्सएप अनुशासन और मैसेज को बार-बार दोहराने को बढ़ावा देते थे। नई पीढ़ी ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर रहती है जो एल्गोरिदम से चलते हैं और जो संगठनात्मक ताकत के बजाय ओरिजिनैलिटी, मजाक और असलियत को बढ़ावा देते हैं। आज वायरल कंटेंट शायद ही कभी राजनीतिक मुख्यालय से निकलता है। यह अनगिनत स्वतंत्र क्रिएटर्स से निकलता है जो किसी के प्रति जवाबदेह नहीं होते। और वे इस्टाग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर रहते हैं। मजाक एक पॉलिटिकल इक्वलाइजर बन गया है। तथ्यों के उलट, मजाक का जवाब देना मुश्किल होता है। सरकारें आरोपों का खंडन कर सकती हैं, आंकड़ों को चुनौती दे सकती हैं या स्पष्टीकरण जारी कर सकती हैं। उन्हें मजाक का जवाब देने में मुश्किल होती है। एक बार जब कोई मीम लोगों की सोच पर छा जाता है, तो फैक्ट-चेक अक्सर बहुत देर से आते हैं। इंटरनेट यह बात लंबे समय से समझता है कि हंसी, लंबी आलोचना की तुलना में अथॉरिटी को ज्यादा असरदार तरीके से कमजोर कर सकती है। जेन जेड स्वाभाविक रूप से इस भाषा को समझते हैं। वे वैचारिक बहस के बजाय व्यंग्य का इस्तेमाल करते हैं। भाषणों के बजाय, वे 15-सेकंड के वीडियो बनाते हैं। सोच-समझकर लिखी गई आलोचनाओं के बजाय, वे ऐसे विजुअल मजाक बनाते हैं जिन्हें किसी स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं होती। उनका कंटेंट इसलिए शेयर नहीं किया जाता कि लोग राजनीतिक रूप से सहमत हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें यह मजेदार लगता है। यह एक ऐसा रणक्षेत्र है जहाँ संस्थागत अनुभव का बहुत कम फायदा मिलता है। रफ़्तार भी मायने रखती है। कभी आईटी सेल की तारीफ इसलिए होती थी कि वह कुछ ही घंटों में जवाब दे देता था। अब इंटरनेट कल्चर मिनटों में बदल जाता है। जो ट्रेंड सुबह छाया रहता है, वह शाम तक गायब हो सकता है। राजनीतिक संगठन, जो मंजूरी और मैसेजिंग के नियमों से बंधे होते हैं, हमेशा उन डिसेंट्रलाइज्ड क्रिएटर्स की तेजी का मुकाबला नहीं कर पाते जो तुरंत कुछ भी अपलोड कर सकते हैं। हालाँकि, शायद सबसे बड़ी चुनौती तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक है। इस विरोध-प्रदर्शन ने सरकार को पहली बार मुश्किल स्थिति में डाल दिया है और उसे कुछ समझ नहीं आ रहा है कि क्या करे। सोनम वांगचुक ने अनशन तो तोड़ दिया है, लेकिन विरोध जारी है।

'रील्स बनाएं, इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहें': मोदी ने कैबिनेट से कहा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के सालों बाद - जिसमें उन्होंने कहा था कि पकौड़े बेचना भी रोजगार का एक जरिया है और जो देश में सबसे ज्यादा चर्चा वाले राजनीतिक बयानों में से एक बन गया था - अब भारत के युवाओं के साथ सरकार का जुड़ाव 'इन्फ्लुएंसर युग' में प्रवेश करता दिख रहा है। हालांकि, यह ताजा सलाह बेरोजगार ग्रेजुएट के लिए नहीं, बल्कि केंद्रीय मंत्रियों के लिए है।

मंत्रिपरिषद की हालिया बैठक में, मोदी ने कथित तौर पर अपने सहयोगियों से सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहने और देश के युवाओं के साथ लगातार जुड़ाव बनाए रखने के लिए 'रील्स' बनाना शुरू करने को कहा। संदेश साफ था: आज की राजनीतिक बातचीत सिर्फ़ प्रेस कॉन्फ्रेंस, भाषणों और सरकारी विज्ञापनों पर निर्भर नहीं रह सकती। इसे एल्गोरिदम, ट्रेंडिंग ऑडियो ट्रैक और स्क्रॉल करते अंगूठों से मुकाबला करना होगा।

पता चला है कि प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि भारत की युवा आबादी नियमित बातचीत की उम्मीद करती है और राजनीतिक पहुंच के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म जरूरी हो गए हैं। मंत्रियों को ऑनलाइन सक्रिय रहने और सरकारी पहलों को ऐसे फॉर्मेट में बताने के लिए प्रोत्साहित किया गया जो युवा दर्शकों को पसंद आएं। यह सलाह राजनीतिक संदेश देने के तरीके में एक दिलचस्प बदलाव को दिखाती है। 2018 में, मोदी ने पकौड़ा बेचने वालों का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि स्नैक्स बेचकर आजीविका कमाना भी रोजगार है। यह बयान राजनीतिक विवाद का विषय बन गया था; आलोचकों ने सरकार पर बेरोजगारी को कमतर आंकने का आरोप लगाया, जबकि समर्थकों का तर्क था कि हर ईमानदार काम सम्मान का हकदार है। बेशक, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कमर्शियल अर्थों में इन्फ्लुएंसर बनने के लिए नहीं कहा। रिपोर्टों के अनुसार, इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी नीतियां उन प्लेटफॉर्म के जरिए युवा नागरिकों तक पहुंचें जिनका वे असल में इस्तेमाल करते हैं, न कि उनसे पारंपरिक संचार माध्यमों का पालन करने की उम्मीद की जाए।

फिर भी, इससे बनने वाली छवि को नजरअंदाज करना मुश्किल है। जो कैबिनेट कभी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और नीतिगत घोषणाओं में सफलता मापती थी, वह अब एंगेजमेंट रेट, वॉच टाइम और इस बात की चिंता कर सकती है कि क्या किसी नीतिगत घोषणा को वायरल करने के लिए बैकग्राउंड म्यूज़िक की जरूरत है। सभी राजनीतिक दलों ने तेजी से डिजिटल कैंपेनिंग को अपनाया है, लेकिन बीजेपी अक्सर नई संचार तकनीकों को अपनाने में सबसे आगे रही है। हालांकि, जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन स्थल पर 'जेन-जी' (नई पीढ़ी) ने उन्हें एक सबक सिखाया है।

चंडीगढ़ पुलिस में 28 हेड कांस्टेबलों को मिली पदोन्नति, बने लोकल रैंक एएसआई

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस मुख्यालय ने विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के आधार पर 28 हेड कांस्टेबलों को लोकल रैंक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नत करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पदोन्नति प्राप्त करने वाले सभी कर्मचारियों को लोकल रैंक एएसआई का दर्जा दिया गया है। हालांकि यह पदोन्नति व्यक्तिगत होगी और नियमित पदोन्नति व वरिष्ठता संबंधी नियम पूर्ववत लागू रहेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इस पदोन्नति के आधार पर अतिरिक्त वेतन, भत्ते या वरिष्ठता का लाभ नहीं मिलेगा।

पदोन्नति सूची में शामिल कर्मियों में सुरिंदर पाल, सुरिंदर कौर, सुनील मेहता, परवीन कुमार, परदीप सिंह, लखविंदर सिंह (लखा), संजय कुमार, सुनील कुमार, कमलेश कौर, रणबीर सिंह, जसविंदर कौर, परवीन कुमार, संजीव कुमार, सविता बैंस, अनु चौधरी, रूप कुमार, बलबीर सिंह, गुरविंदर सिंह, भीम, जसविंदर सिंह, रविंदर सिंह, सतीश कुमार, लखबीर सिंह, सुमन रानी, राजेश कुमार, दलजीत कौर, कुलविंदर सिंह और सविता रानी शामिल हैं। यह आदेश 22 जुलाई 2026 को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में हुई सिफारिशों के बाद सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी मिलने पर जारी किया गया। पदोन्नति के बाद सभी अधिकारियों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। वरिष्ठ अधिकारियों ने नवपदोन्नत एएसआई को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे नई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और पेशेवर दक्षता के साथ निर्वहन करेंगे।

आईएएस अधिकारी हरजीत सिंह सूदन ने संभाला नगर निगम चंडीगढ़ के स्पेशल कमिश्नर का पद

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हरजीत सिंह सूदन ने नगर निगम चंडीगढ़ में स्पेशल कमिश्नर के रूप में

कार्यभार संभाल लिया है। उनके पदभार ग्रहण करने के साथ ही शहर में नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में नई उम्मीदें जताई जा रही हैं। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, हरजीत सिंह सूदन शहर में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था, विकास कार्यों में तेजी और नगर निगम की सेवाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान देंगे। उनका फोकस नागरिकों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना होगा। नगर निगम अधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में चंडीगढ़ में नगर सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की फर्जी भर्ती मामले में दोनों आरोपी बरी

मोहाली/यूटर्न/24 जुलाई। स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी) की कथित फर्जी भर्ती से जुड़े करीब 22 साल पुराने मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने दो आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा है। इसी आधार पर दोनों आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। मामले में आरोपी बनाए गए जरनैल सिंह पूर्व वरिष्ठ कर सहायक (आयकर विभाग), निवासी गांव ढबवाली ढब तहसील मलोट और जरनैल सिंह निवासी सिरसा (हरियाणा) के खिलाफ सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत में हुई। अदालत ने अपने फैसले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 23 मई 2022 के उस निर्णय का भी उल्लेख किया, जिसमें इसी मामले के सह-आरोपी लखवीर सिंह, अशोक कुमार सहित अन्य आरोपियों को बरी किया गया था। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज होने का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका। इसके अलावा कथित फर्जी डोजियर और नियुक्ति पत्रों के मूल दस्तावेज पेश नहीं किए गए। यह भी साबित नहीं किया जा सका कि फर्जी दस्तावेज किसने तैयार किए। न तो द्वितीयक साक्ष्य पेश करने की अनुमति ली गई और न ही किसी विशेषज्ञ गवाह से दस्तावेजों की जांच कराई गई। ऐसे में उपलब्ध परिस्थितिजन्य साक्ष्य आरोपियों का अपराध सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। सीबीआई ने 31 मार्च 2004 को दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया था कि वर्ष 1990 से 1992 के दौरान आरोपियों ने स्टाफ सिलेक्शन कमीशन नई दिल्ली के कथित फर्जी नामांकन पत्रों के आधार पर आयकर विभाग (उत्तर-पश्चिम क्षेत्र चंडीगढ़) में स्टेनो, यूडीसी, एलडीसी और इंस्पेक्टर के पदों पर नियुक्तियां हासिल की थीं। जांच में यह भी सामने आया था कि 25 उम्मीदवारों के रोल नंबर एसएससी के घोषित परिणामों में शामिल नहीं थे।

गानों में काम दिलाने का झांसा देकर दो युवतियों की मानव तस्करी

मोहाली/यूटर्न/24 जुलाई। मोहाली के गांव कुंभड़ा से मानव तस्करी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पंजाबी गानों की शूटिंग में काम दिलाने का झांसा देकर दो युवतियों को पंजाब से बाहर ले जाया गया। इनमें से 18 वर्षीय युवती अंजली को उत्तर प्रदेश में कथित तौर पर डेढ़ लाख रुपये में बेच दिया गया, जबकि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग सहेली अब भी राजस्थान में बंधक है। नाबालिग ने किसी दूसरे व्यक्ति के मोबाइल फोन से अंजली को कॉल कर अपनी जान बचाने की

गुहार लगाई है। पीड़िता अंजली के अनुसार, पड़ोस में रहने वाली मंदीप कौर उसे और उसकी नाबालिग सहेली को पंजाबी फिल्मों और गानों की शूटिंग में काम दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ले गई। फिरोजपुर के गांव रत्ताखेड़ा में एक मकान में शादी की शूटिंग का दृश्य रचा गया, जहां उसकी कथित तौर पर शादी करवा दी गई। इसके बाद उसे उत्तर प्रदेश ले जाया गया, जहां मंदीप कौर ने उसे कुछ लोगों को डेढ़ लाख रुपये में बेच दिया। अंजली का दावा है कि उसके पास आरोपियों से पैसे लेते हुए मंदीप कौर की वीडियो भी मौजूद है।

अंजली ने बताया कि जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला तो उसने घर लौटने की जिद की। इसी दौरान जिन लोगों के पास उसे बेचा गया था, उनके एक रिश्तेदार ने, जो पुलिस में कार्यरत बताया जा रहा है, उन्हें कानूनी कार्रवाई की आशंका से आगाह किया। इसके बाद उन लोगों ने अंजली की उसके पिता से बात कराई और कहा कि उन्होंने उसे डेढ़ लाख रुपये देकर खरीदा है। आरोप है कि बेटी को छुड़ाने के लिए पिता ने डेढ़ लाख रुपये आरोपियों के खाते में जमा करवाए, जिसके बाद अंजली का भाई उसे उत्तर प्रदेश से वापस लेकर आया।

हालांकि, अंजली की 17 वर्षीय नाबालिग सहेली अब भी राजस्थान के काकड़ा शिवपुरा गांव में कथित रूप से बंधक बनी हुई है। अंजली के मुताबिक सहेली ने फोन पर बताया कि उसे बेच दिया गया है और उसके पास अपना मोबाइल फोन भी नहीं है। उसने किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल से कॉल कर मदद की अपील की। पीड़िता का आरोप है कि मानव तस्करी की मुख्य आरोपी मंदीप कौर अब दुबई भाग चुकी है।

लुधियाना के बहुचर्चित ईस्सेवाल गैंगरेप के मुख्य गवाह ने खुद को मारी गोली, चलती कार में किया फायर, पोल से टकराई, मौत

6 साल पहले हुई थी लव मैरिज, फोन पर झगड़े के बाद उठाया कदम

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। लुधियाना के बहुचर्चित ईस्सेवाल गैंगरेप के मुख्य गवाह रहे युवक ने फिरोजपुर रोड पर दाखा के पास खुद को लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मार ली। उसने चलती स्कार्पियों में सिर में गोली मारी। जिससे कार असंतुलित होकर साइन बोर्ड के पोल से जा टकराई। राहगीरों ने उसे डीएमसी अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृतक करार दे दिया। मृतक की पहचान गांव दाखा निवासी जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा के रूप में हुई है। थाना दाखा की पुलिस ने लाश कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दी है। पुलिस द्वारा गोली वाली बात से साफ इंकार किया जा रहा है।

मृतक जसप्रीत सिंह की फाइल फोटो

हादसे में क्षतिग्रस्त कार

परिवार में विवाद रहने की चर्चाएं

जसप्रीत ने छह साल पहले लव मैरिज करवाई थी। उसके एक चार साल की बेटी भी है। उसके माता पिता दाखा गांव में रहते हैं, जबकि वे खुद बीआरएस नगर में पत्नी और बेटी संग रहता था। परिवार का आरोप है कि जसप्रीत और उसकी पत्नी में घरेलू विवाद था। जसप्रीत के दोस्त जोत अनुसार वे बहुत दुखी था। हालांकि परिवार ने अभी पुलिस को बयान नहीं दिए हैं।

ईस्सेवाल गैंगरेप का था मुख्य गवाह

जसप्रीत सिंह वे बहादुर युवा था, जिसने पंजाब के बहुचर्चित ईस्सेवाल गैंगरेप के दोषियों को सजा दिलाई थी। दरअसल, 9 फरवरी 2019 को बीआरएस नगर की एक युवती और दोस्त युवक साउथ सिटी रोड पर ईस्सेवाल गांव के पास नहर किनारे कार में बैठे थे। एक नाबालिग समेत छह युवकों ने उन्हें घेरकर लड़की के साथ कई बार गैंगरेप किया। लड़की के दोस्त ने जसप्रीत को कॉल की तो बदमाशों ने उससे फिरौती मांगी। जसप्रीत पैसे लेकर अकेला चला गया। लेकिन बदमाश उसे नहीं मिले। फिर तड़के वे लड़का-लड़की को सड़क पर छोड़ भाग गए। इस मामले में एफआईआर दर्ज हुई। मामला पूरे पंजाब में चर्चा का विषय बना।

दोषियों को दिलाई थी सजा

गैंगरेप केस का मुख्य इकलौता गवाह होने के चलते उसे दोषियों की तरफ से कई बार पैसों की ऑफर, धमकियां भी मिली, लेकिन वे मुख्य गवाह के तौर पर केस लड़ता रहा। सेफ्टी के लिए उसे पंजाब पुलिस ने वेपन लाइसेंस बनाकर दिया था। जिसके बाद साल 2022 में माननीय अदालत ने पांच दोषियों को उम्रकैद और एक-एक लाख जुमार्ना व एक नाबालिग को 20 साल कैद और 50 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई थी। इंस्पेक्टर कुलजिंदर सिंह का कहना है कि गोली चलने और पत्नी से विवाद की कोई बात अभी तक सामने नहीं आई है। कार असंतुलित होकर पोल से टकराने पर युवक का सिर अगले शीशे में लगा, जिससे मौत हो गई।

रोकने का किया प्रयास, लेकिन गुस्से में नहीं रुका

दोस्त जोत अनुसार वीरवार को जसप्रीत गांव दाखा में माता पिता से मिलने के बाद शाम को वापिस बीआरएस नगर जा रहा था। वह फोन पर किसी के साथ झगड़ रहा था। दाखा में हवेली के पास उसने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली। उसकी कार को जबरन रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं रुका। उसने रिवॉल्वर सिर पर रखकर फायर कर दिया। जिसके बाद कार बेकाबू हो गई और पोल से टकरा गई।

पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा मिले, विद्यार्थियों को न्याय मिले: हरजोत साहोता

लुधियाना/यूटर्न/24 जुलाई। युवा नेता हरजोत साहोता ने नीट पेपर लीक मामले को देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ बताते हुए कहा कि इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं विद्यार्थियों की वर्षो की मेहनत और परीक्षा प्रणाली पर उनके विश्वास को कमजोर करती हैं। दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने तथा कुछ महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने संबंधी सामने आई मीडिया रिपोर्टें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और यदि ये सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

हरजोत साहोता ने कहा कि सरकार को युवाओं की आवाज सुनते हुए परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि परीक्षाओं की निगरानी के लिए स्वतंत्र व्यवस्था को और मजबूत किया जाए तथा पेपर लीक जैसे मामलों में दोषियों को समयबद्ध और कड़ी सजा सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास फिर से कायम हो सके। उन्होंने कहा कि देश के युवा भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी मेहनत, सम्मान तथा भविष्य की रक्षा करना हर सरकार की जिम्मेदारी है।

बरनाला लाठीचार्ज के विरोध में जीरकपुर में प्रदर्शन, मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

जीरकपुर/यूटर्न/24 जुलाई। बरनाला में सफाई कर्मचारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प का विरोध अब जीरकपुर तक पहुंच गया है। शनिवार को सफाई कर्मचारी यूनियन, विभिन्न सामाजिक संगठनों और वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पंजाब सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बरनाला में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। इसमें महिला सफाई कर्मचारियों के साथ भी कथित रूप से मारपीट की गई। घटना को लेकर कर्मचारियों और वाल्मीकि समाज के लोगों में भारी रोष देखने को मिला।

रविंदर पाल कुकी ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहरों को स्वच्छ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन उनकी मांगें सुनने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि घटना की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। जीरकपुर सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान प्रदीप सूद ने कहा कि बरनाला में महिला कर्मचारियों समेत सफाई कर्मियों पर हुए कथित लाठीचार्ज को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो सोमवार को पूरे पंजाब में चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रदेशभर की यूनियनें और सामाजिक संगठन एकजुट हैं।

मायागार्डन सिटी में फ्लैट विवाद ने लिया हिंसक रूप, दंपती पर तलवारों से हमले का आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/24 जुलाई। नगला रोड स्थित मायागार्डन सिटी सोसायटी में फ्लैट को लेकर चल रहा विवाद शुक्रवार को हिंसक हो गया। डी-7 ब्लॉक के फ्लैट नंबर-502 में रहने वाले संजय ग्रोवर ने आरोप लगाया कि उनके पूर्व किरायेदार एक दंपती ने करीब 10 से 12 साथियों के साथ उनके फ्लैट में घुसकर उन पर और उनकी पत्नी पर तलवारों से हमला कर दिया। हमले में दोनों घायल हो गए। पीड़ित ने आरोपियों पर उनके दूसरे फ्लैट पर कब्जा करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है।

संजय ग्रोवर ने बताया कि वह करीब 10 वर्षों से सोसायटी में रह रहे हैं। उन्होंने डी-6 ब्लॉक का फ्लैट नंबर-601 राहुल और अमनदीप कौर को किराये पर दिया था, जो खुद को पति-पत्नी बताते थे। आरोप है कि दोनों ने करीब डेढ़ वर्ष तक

किराया नहीं दिया। फ्लैट खाली करते समय एसी, गीजर, आरओ और इनवर्टर सहित अन्य सामान भी अपने साथ ले गए। पीड़ित के अनुसार, किराया समझौता समाप्त होने के बाद उन्होंने दोनों का माई गेट एप एक्सेस बंद करवा दिया था। इसकी सूचना आरडब्ल्यूए और सुरक्षा कर्मियों को भी दी गई थी। इसके बावजूद शुक्रवार को आरोपी बिना वाहन स्टिकर के सोसायटी में प्रवेश कर गए।

मीटर उतरने के बाद भी बिजली देने पर उठाए सवाल...संजय ग्रोवर ने आरोप लगाया कि फ्लैट का बिजली मीटर उतरवाने और कनेक्शन सील होने के बावजूद आरडब्ल्यूए की ओर से आरोपियों को दोबारा बिजली उपलब्ध करवा दी गई। इस संबंध में उन्होंने बिजली विभाग के एसडीओ को भी शिकायत दी थी। उन्होंने दावा किया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। हालांकि, पुलिस की ओर से इस दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सुरक्षा गार्ड को तलवार दिखाकर धमकाने का आरोप...संजय ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड को तलवार दिखाकर डराया। इसके बाद वे उनके फ्लैट में पहुंचे और दंपती पर हमला कर दिया। पीड़ित ने बताया कि इससे पहले भी आरोपियों ने फ्लैट पर लगाया गया ताला तोड़कर अंदर घुसने और कब्जा करने की कोशिश की थी। उनका कहना है कि इस विवाद को लेकर वह 24 दिसंबर 2025 से अब तक पुलिस को करीब 10 लिखित शिकायतें दे चुके हैं। इसके बावजूद विवाद का स्थायी समाधान नहीं हुआ। संजय का आरोप है कि करीब 10 दिन पहले फ्लैट बेचने का निर्णय लेने के बाद आरोपी दोबारा सक्रिय हो गए। पीड़ित ने दावा किया कि पिछले बुधवार को भी सड़क पर उनके साथ मारपीट की गई थी। इस घटना का मेडिकल रिकॉर्ड उनके पास मौजूद है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस को आरोपियों के फ्लैट में मौजूद होने की सूचना देने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की गई।

सेक्टर-42 सी मार्केट में नई सीवरेज पाइपलाइन का शुभारंभ, वर्षों पुरानी समस्या होगी खत्म

जसबीर सिंह बंटी के प्रयासों से शुरू हुआ प्रोजेक्ट, 15 दिन में कार्य पूरा होने का दावा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। वार्ड नंबर-24 के अंतर्गत आने वाली सेक्टर-42 सी मार्केट के दुकानदारों को जल्द ही सीवरेज की वर्षों पुरानी समस्या से राहत मिलने जा रही है। क्षेत्र के पार्षद एवं पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर जसबीर सिंह बंटी के प्रयासों से शुक्रवार को नई सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना के पूरा होने के बाद मार्केट के दुकानदारों को सीवरेज कनेक्शन लेने में आ रही दिक्कतों का स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद है। कार्य का शुभारंभ सनातन धर्म मंदिर के शिव कुमार नागपाल, मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान अजय अरोड़ा, आरसीडब्ल्यूए के राजकुमार शर्मा, सज्जन बंसल, अमित मित्तल और नीलम वढेरा ने नारियल फोड़कर किया।

इस मौके पर पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि सेक्टर-42 सी मार्केट में पेयजल पाइपलाइन पहले से उपलब्ध थी, लेकिन सीवरेज लाइन नहीं होने के कारण विशेष रूप से रेस्टोरेंट, फूड आउटलेट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सीवरेज कनेक्शन लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

ब्लेसिंग लक्सुरिया को मिला 'इंडिया' २ बेस्ट अपकमिंग मॉल 2027 अवॉर्ड

जयपुर। रियल एस्टेट और रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से उभर रहे ब्लेसिंग लक्सुरिया को प्रतिष्ठित ISCA 2026 समारोह में 'इंडिया' २ बेस्ट अपकमिंग मॉल 2027 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जयपुर में आयोजित इस समारोह में देशभर से रिटेल और शॉपिंग सेंटर क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वेस्टर्न लिविंग प्रा लि के एमडी हिमांशु कावात्रा ने अपनी टीम के साथ यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त किया। सम्मान मिलने पर उन्होंने इसे पूरी टीम की मेहनत, बेहतर योजना और आधुनिक रिटेल डेस्टिनेशन विकसित करने की प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। कंपनी एमडी अनुसार ब्लेसिंग लक्सुरिया को यह

सम्मान आधुनिक रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन, आकर्षक डिजाइन और विश्वस्तरीय शॉपिंग अनुभव विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए दिया गया है। परियोजना का उद्देश्य ग्राहकों, प्रमुख ब्रांडों और निवेशकों को एक ही स्थान पर बेहतर सुविधाएं और आधुनिक कारोबारी माहौल उपलब्ध कराना है।

चार साल के संघर्ष का असरः डोर-टू-डोर गार्बेज कर्मचारियों की मांगों पर प्रशासन गंभीर, जल्द समाधान का भरोसा

धर्मवीर राणा के नेतृत्व में नगर आयुक्त से हुई अहम बैठक, कमर्शियल एरिया के कर्मचारियों के मुद्दे बने चर्चा का केंद्र

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। चार वर्षों से अपने अधिकारों और रोजगार सुरक्षा को लेकर संघर्ष कर रहे डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन कर्मचारियों की आवाज आखिरकार नगर निगम के शीर्ष अधिकारियों तक मजबूती से पहुंची। डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन सोसायटी, चंडीगढ़ के प्रधान धर्मवीर राणा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम आयुक्त अमित कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर कर्मचारियों की लंबित मांगों को

विस्तार से रखा। बैठक में अधिकारियों ने सभी मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान विशेष आयुक्त हरप्रीत सिंह सूदन के आगमन पर सोसायटी की ओर से उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त बलवीर राव, हिमांशु गुप्ता, इंद्रजीत कौर सहित नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। धर्मवीर राणा ने अधिकारियों को बताया कि कमर्शियल क्षेत्रों में कार्यरत डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन कर्मचारी पिछले चार वर्षों से कई प्रशासनिक और रोजगार संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

तीन स्पा सेंटरों में पुलिस की रेड, सेक्स रैकेट चलाते 6 विदेशी युवतियां-मैनेजर गिरफ्तार

खन्ना/यूटर्न/24 जुलाई। खन्ना में पुलिस ने एक साथ तीन स्पा सेंटर सिटी सेंटर स्थित न्यू एरा, डायमंड और रिलेक्स थाई स्पा सेंटर में रेड की। जहां सेक्स रैकेट चला रही छह विदेशी युवतियों और एक मैनेजर को गिरफ्तार किया। वहीं 4 युवतियों के साथ दो स्पा सेंटर संचालक मौके से फरार हो गए। सभी के खिलाफ खन्ना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की रेड के दौरान युवतियां सामान समेटती नजर आई। इन स्पा सेंटरों में थाईलैंड, हरियाणा और दिल्ली की युवतियों से रैकेट चलाया जा रहा था। पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि खन्ना के सिटी सेंटर स्थित न्यू एरा, डायमंड और रिलेक्स थाई स्पा सेंटर में अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन सूचनाओं के आधार पर थाना सिटी-2 पुलिस ने गुरुवार को रेड की। छापेमारी के दौरान तीन स्पा सेंटरों की जांच की गई। जांच में सामने आया है कि एक स्पा सेंटर का संचालक हरियाणा का कप्तान सिंह है। दूसरे स्पा सेंटर का संचालक मनोज पुलिस कार्रवाई से पहले ही फरार हो गए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर दी हैं।

बार बार बदल रहे थे ठिकाने

वहीं पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपियों द्वारा ठिकाने बदल बदलकर धंधा किया जा रहा था। उन्हें जब पुलिस कार्रवाई का पता चलता था तो आरोपी ठिकाना बदल लेते थे। लेकिन इस बार पुलिस ने दबे पांव एक्शन लिया। थाना सिटी-2 के प्रभारी इंस्पेक्टर तरविंदर कुमार बेदी ने बताया कि मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

चंडीगढ़ में स्नैचिंग की दो वारदातें, महिला से कान की बाली और युवक से मोबाइल छीना

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। शहर में स्नैचिंग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई दो वारदातों के बाद पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना सेक्टर-34 थाना क्षेत्र की है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी एक महिला की शिकायत पर एफआईआर नंबर 96 दर्ज की गई है। शिकायत के अनुसार, 23 जुलाई को जीएमसीएच-32 के गेट नंबर-1 के पास पैदल जा रही एक अज्ञात महिला ने उनके कान की बाली झपट ली और मौके से फरार हो गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी है।

दूसरी वारदात सेक्टर-39 थाना क्षेत्र में हुई। सेक्टर-37 स्थित नेशनल मेडिकल के पास रहने वाले संदीप की शिकायत पर एफआईआर नंबर 113 दर्ज की गई है। शिकायत के मुताबिक, 23 जुलाई को सेक्टर-37/सी मार्केट के पास एक काली पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बदमाश उनका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। बाइक का नंबर शिकायतकर्ता नोट नहीं कर सका। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) और 3(5) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों मामलों में पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकारी फरमान हवा में, जगरांव तहसील में 9:30 बजे खाली मिलीं कुर्सियां, एसी-पंखे कर रहे थे कमरों को ठंडा

जनता परेशान : एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार रहे नदारद

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/24/जुलाई। पंजाब सरकार के लाख दावों के बावजूद सरकारी दफ्तरों में समय की पाबंदी और अनुशासन की धज्जियां कैसे उड़ाई जा रही हैं, इसकी एक बानगी शुक्रवार सुबह जगरांव तहसील कॉम्प्लेक्स में देखने को मिली। मीडिया की एक टीम द्वारा की गई औचक पड़ताल में यह खुलासा हुआ कि निर्धारित समयानुसार सुबह 9:30 बजे तक भी प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी अपने कार्यालयों से नदारद थे।

खाली कुर्सियों को ठंडक दे रहे थे एसी और पंखे

शुक्रवार सुबह करीब 9 :30 बजे जब मीडिया टीम जगरांव तहसील कॉम्प्लेक्स स्थित एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के दफ्तरों में पहुंची, तो वहां कुर्सियां खाली थीं। हैरानी की बात यह थी कि अधिकारियों की गैर-मौजूदगी के बावजूद कई कमरों में एसी और पंखे धड़ल्ले से चल रहे थे। नजारा ऐसा था मानो खाली कुर्सियों को ठंडी हवा देने के लिए ही बिजली के इन उपकरणों को चलाया गया हो।

परेशान आम जनता का छलका दर्द:

दूर-दराज के गांवों से अपने जरूरी काम लेकर पहुंचे सुमित कुमार, प्रवीण कुमार और अन्य नागरिकों ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि वे कई दिनों से तहसील के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया: अधिकारी तय समय पर अपनी सीटों पर नहीं मिलते। समय और पैसे की बबार्दी के अलावा उन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ता है। सरकार भले ही सुबह 9 बजे दफ्तर पहुंचने के सख्त निर्देश जारी करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है।

अधिकारियों का पक्ष और सफाई

जब इस पूरे मामले पर मीडिया ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से उनका पक्ष जानना चाहा, तो उनके तर्क इस प्रकार रहे : एसडीएम (जगरांव) बादलदीन से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वह एक मामले के सिलसिले में हाईकोर्ट गए हुए हैं। तहसीलदार रेशम सिंह से फोन पर संपर्क साधने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया (फोन रिसीव नहीं हुआ)। नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र ने स्पष्ट किया कि जिस वक्त मीडिया टीम दफ्तर पहुंची थी, वह लुधियाना में आयोजित एक जिला स्तरीय सरकारी बैठक में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने दावा किया कि वह अन्य अधिकारियों के मुकाबले जनता को सेवाएं देने के लिए अपनी सीट पर अधिक समय बिताते हैं।

कानूनी और प्रशासनिक पहलू

नागरिक सेवा वितरण और प्रशासनिक पारदर्शिता के लिहाज से यह स्थिति गंभीर सवाल खड़े करती है। लोक सेवकों के लिए निर्धारित समयावधि और कार्यालयों में ऊर्जा संरक्षण (बिजली के उपकरणों का अनावश्यक चलना) के नियमों के उल्लंघन पर उच्चाधिकारियों को संज्ञान लेना पड़ सकता है। अब देखना यह होगा कि आम जनता की हो रही इस दुर्दशा और प्रशासनिक लापरवाही पर जिला प्रशासन क्या सख्त कदम उठाता है, ताकि लोगों को समय पर और सुगम सेवाएं मिल सकें।

अमृतसर के हॉल बाजार में नए एमआई स्टूडियो का शुभारंभ, ग्राहकों को मिलेगा आधुनिक तकनीक का प्रीमियम अनुभव

अमृतसर/यूटर्न/24 जुलाई। अमृतसर के हॉल बाजार में नए एमआई स्टूडियो शोरूम का उद्घाटन शाम सिंह आहूजा, एमआई के नॉर्थ जोन हेड शिवेंदर मनहास, स्टेट हेड नीरज शाह, भूपिंदर सिंह आहूजा, लखविंदर सिंह आहूजा तथा एमआई के वितरक बंसल एंटरप्राइजेज के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी, व्यावसायिक साझेदार, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे। एमआई स्टूडियो के संचालक शौर्य वीर सिंह और श्रेयजीत सिंह ने बताया कि शोरूम में एमआई के नवीनतम स्मार्टफोन, एचडी स्मार्ट एलईडी टीवी, फीचर फोन, एआईओटी उपकरण, स्मार्ट एक्सेसरीज, ईयरबड्स, स्मार्टवॉच, पावर बैंक, चार्जर, डेटा केबल, ब्लूटूथ स्पीकर सहित अन्य स्मार्ट लाइफस्टाइल उत्पादों की पूरी श्रृंखला उपलब्ध है। शौर्य वीर सिंह और श्रेयजीत सिंह ने बताया कि ग्राहकों को यहां उत्पादों का लाइव डेमो, विशेषज्ञों की सलाह तथा उद्घाटन के अवसर पर विशेष लॉन्च ऑफर्स का लाभ मिलेगा।

इनकम टैक्स विभाग में नौकरी का झांसा, सीएससी संचालक पर 7.90 लाख की ठगी का केस

जीरकपुर/यूटर्न/24 जुलाई। इनकम टैक्स विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर हिमाचल प्रदेश के एक युवक से 7.90 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। एएसपी जीरकपुर की जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद ढकोली थाना पुलिस ने एक कॉमन सर्विस सेंटर संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश निवासी दीपेंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दिसंबर 2022 में उसकी मुलाकात ढकोली में सीएससी चलाने वाले जयपाल से हुई थी। आरोप है कि जयपाल ने उसे इनकम टैक्स विभाग में जूनियर असिस्टेंट मैनेजर की सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिया और इसके बदले 10 लाख रुपये की मांग की।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने जनवरी से अगस्त 2023 के बीच आरोपी को कुल 7.90 लाख रुपये दिए। इनमें दो लाख रुपये नकद और 5.90 लाख रुपये बैंक खाते के माध्यम से भेजे गए। रकम जुटाने के लिए उसने कर्ज भी लिया था।

फर्जी ई-मेल से भेजे ऑफर और कन्फर्मेशन लेटर... आरोप है कि विश्वास कायम करने के लिए आरोपी ने फर्जी ई-मेल आईडी से जॉब ऑफर लेटर और कन्फर्मेशन लेटर भेजे। इसके बाद ऑनलाइन ट्रेनिंग और टेस्ट के नाम पर शिकायतकर्ता को कई महीनों तक गुमराह किया जाता रहा। काफी समय बीतने के बाद भी नियुक्ति नहीं मिली तो शिकायतकर्ता को ठगी का संदेह हुआ। वर्ष 2025 में मामला पुलिस के पास पहुंचने के बाद दोनों पक्षों में समझौता हुआ था। इसमें आरोपी ने किस्तों में पूरी रकम वापस करने का भरोसा दिया, लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि समझौते के बाद भी उसे कोई भुगतान नहीं किया गया।

जांच में सामने आए बैंक लेनदेन और चैट... एएसपी जीरकपुर ने शिकायतकर्ता, आरोपी और गवाहों के बयान दर्ज किए। इसके साथ ही बैंक लेनदेन, व्हाट्सएप चैट, ई-मेल और अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता से रकम लेने की बात स्वीकार की।

नीट में शानदार सफलता पर अभिषेक श्रीवास्तव का सम्मान, बलटाना में हुआ अभिनंदन समारोह

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल करने वाले अभिषेक श्रीवास्तव का शुक्रवार को बलटाना में स्थानीय लोगों और समाजसेवियों द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान अभिषेक के माता-पिता को भी उनकी मेहनत और बेटे की सफलता में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अभिषेक एक साधारण परिवार से हैं। उन्होंने अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए लगातार मेहनत और लगन से पढ़ाई की, जिसका परिणाम उनकी नीट परीक्षा में शानदार सफलता के रूप में सामने आया। उनकी उपलब्धि से परिवार, मित्रों और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। समाजसेवी पवन शर्मा ने कहा कि अभिषेक शांत स्वभाव, अनुशासित और मेहनती छात्र हैं। उन्होंने कहा कि अभिषेक की यह सफलता और सम्मान समारोह क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा तथा उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर मेहनत करने का संदेश देगा।

फिटनेस और खूबसूरती से छाईं अभिनेत्री तृषा

अभिनेत्री तृषा अपने खूबसूरत अंदाज और शानदार फिटनेस को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। ब्लैक ग्लैमरस आउटफिट में उनका आत्मविश्वास और एलिगेंट लुक प्रशंसकों का ध्यान खींच रहा है। तृषा की फिट बॉडी उनकी अनुशासित दिनचर्या और संतुलित जीवनशैली की झलक पेश करती है। स्टाइल, ग्रेस और कॉन्फिडेंस का उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। फैंस उनकी खूबसूरती के साथ-साथ फिटनेस के प्रति समर्पण की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

यूटर्न टाइम

‘अब और सहन नहीं हो रहा’ मौत से पहले दोस्तों को भेजे थे दर्द भरे संदेश

डॉक्टर करण संधू केस में डिजिटल जांच बनी सबसे बड़ा सुराग

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। जीएमसीएच-32 के ई-ब्लॉक की छत से छलांग लगाकर जान गंवाने वाले 23 वर्षीय एमबीबीएस चौथे वर्ष के छात्र डॉ. करण संधू की मौत की गुत्थी सुलझाने में अब पुलिस की सबसे बड़ी उम्मीद डिजिटल साक्ष्य बन गए हैं। शुरूआती जांच में सामने आए तथ्यों के बाद पुलिस ने अब करण के मोबाइल फोन,

व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डेटा की गहन जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों का मानना है कि इन साक्ष्यों से घटना से पहले करण की मानसिक स्थिति और उसके अंतिम घंटों की गतिविधियों का स्पष्ट पता चल सकता है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना से कुछ समय पहले करण ने अपने पांच करीबी दोस्तों को व्हाट्सएप पर अलग-अलग संदेश भेजे थे। इनमें से एक संदेश ने जांच एजेंसियों का विशेष ध्यान खींचा है। उसने अपने एक मित्र को लिखा था, यहां बहुत तनाव है बाहर चला जाता तो बेहतर रहता अब और सहन नहीं हो रहा। पुलिस इन संदेशों की टाइमलाइन, उनके जवाब और बातचीत के पूरे क्रम का विश्लेषण कर रही है ताकि यह समझा जा सके कि आखिर किन परिस्थितियों में करण इस मानसिक स्थिति तक पहुंचा। जांच में यह भी सामने आया कि घटना से एक दिन पहले तक करण सामान्य व्यवहार कर रहा था।

हर मौसम में डटे रहेंगे ट्रैफिक पुलिसकर्मी, पंचकूला पुलिस ने 170 जवानों को दिए रेनकोट, छाते और रिफ्लेक्टर जैकेट

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/24 जुलाई। तेज बारिश हो, भीषण गर्मी या घना कोहरा पंचकूला ट्रैफिक पुलिस अब हर मौसम में और अधिक सुरक्षित तरीके से अपनी ड्यूटी निभाएगी। पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन की पहल पर ट्रैफिक पुलिस के सभी 170 पुलिसकर्मियों को रेनकोट, छाते और रिफ्लेक्टर जैकेट वितरित किए गए हैं। साथ ही प्रत्येक पुलिसकर्मी को ड्यूटी के दौरान रिफ्लेक्टर जैकेट पहनना अनिवार्य किया गया है। सेक्टर-4 स्थित ट्रैफिक थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह ने पुलिसकर्मियों को सुरक्षा सामग्री वितरित की।

उन्होंने कहा कि बारिश, कोहरे और कम दृश्यता वाले मौसम में सड़क पर ड्यूटी देने वाले ट्रैफिक कर्मियों के लिए रिफ्लेक्टर जैकेट बेहद जरूरी है। इससे न केवल उनकी दृश्यता बढ़ेगी बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी कम होगा।

तीन दिन मेहरबान रहेगा मानसून: 27 से 29 जुलाई तक चंडीगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट, जलभराव की आशंका

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जुलाई। चंडीगढ़ और ट्राइसिटी के लोगों को उमस भरी गर्मी से जल्द राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि 27 से 29 जुलाई के बीच मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा और इस दौरान भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए मौसम केंद्र ने चंडीगढ़ के साथ पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक रुक-रुक कर बारिश का दौर बना रहेगा। शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं, जबकि शनिवार को तेज बारिश हो सकती है। रविवार को भी बादलों की आवाजाही के साथ बारिश जारी रहने का अनुमान है। इसके बाद 27 और 28 जुलाई को बारिश और अधिक तेज होने की संभावना जताई गई है।

तेज हवाएं और जलभराव का खतरा

पूवार्नुमान के मुताबिक भारी बारिश के दौरान तेज हवाएं चल सकती हैं। शहर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने की आशंका है, जिससे यातायात भी प्रभावित हो सकता है। प्रशासन और संबंधित विभागों को पहले से सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पंजाब-हरियाणा के कई जिलों के लिए भी चेतावनी

मौसम विभाग ने चंडीगढ़ के अलावा पंजाब और हरियाणा के कई जिलों में भी 27 से 29 जुलाई के बीच मूसलाधार बारिश की संभावना जताई है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और मैदानी इलाकों में जलभराव की आशंका को देखते हुए लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी अपडेट पर नजर रखने की अपील की गई है।

तापमान में आएगी गिरावट

पिछले 24 घंटों में चंडीगढ़ में 2.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह हुई बारिश के बाद दिन में धूप निकलने से उमस बनी रही, लेकिन अगले कुछ दिनों तक लगातार बारिश के चलते तापमान में गिरावट आएगी और मौसम सुहावना रहने की संभावना है।

महानगर में डेंगू का खतरा, अस्पतालों और सेहत विभाग की रिपोर्ट में मतभेद

शहर के अस्पतालों में सामने आए 3750 डेंगू के मरीज शहर विभाग ने कहा सिर्फ 9 पॉजिटिव

अशोक सहगल

लुधियाना, यू टर्न 24 जुलाई: शहर के अस्पतालों में डेंगू के 3750 के करीब मरीज सामने आ चुके हैं परंतु स्वास्थ्य विभाग में इनमें से 9 मरीजों में डेंगू की पुष्टि की है जबकि शेष को संदिग्ध श्रेणी में डाल दिया है लोगों ने कहा कि इतने बड़े स्तर पर डेंगू के मरीज सामने आने के बाद कहीं ना कहीं तो गड़बड़ हो रही है इसलिए सरकार को चाहिए कि डेंगू के मामलों की जांच कारण इसमें अस्पतालों का दोष है कि या स्वास्थ्य विभाग बीमारी को कमतर दिखाने के चक्कर में डेंगू के मरीजों की संख्या कम बता रहा है उन्होंने कहा कि मामला बहुत गंभीर है और जांच का विषय है क्योंकि दूसरी ओर बरसात शुरू होने पर डेंगू के मामलों में और वृद्धि हो सकती है जिससे डेंगू महामारी का रूप धारण कर सकता है उन्होंने कहा कि अगर संदिग्ध मरीजों के इलाकों में फोकल सप्रे नहीं हुआ तो बीमारी अवश्य बढ़ेगी क्योंकि अस्पताल डेंगू पॉजीटिव मरीजों की सूची सिविल सर्जन कार्यालय में भेज रहे हैं

- **बरसात ने बढ़ाया महामारी का खतरा लोगों ने कहा मामलों की हो जांच...**पुलिस थानों एवं धार्मिक स्थलों सहित 246 स्थानो पर डेंगू के लारवा की जांच, पुलिस लाइन में मिला लारवा ‘हर शुक्रवार डेंगू ते वार’ के तहत व्यापक एंटी-डेंगू सर्विलांस एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया। अभियान की जानकारी देते हुए सहायक सिविल सर्जन डॉ. विवेक कटारिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की समर्पित एंटी-डेंगू टीमों ने जिले के 246 पुलिस थानों एवं धार्मिक स्थलों का दौरा किया तथा गहन सर्विलांस अभियान के अंतर्गत 328 क्षेत्रों को कवर किया।
- **40 जगह पर मिला डेंगू का लारवा...**उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 8,945 घरों का निरीक्षण किया गया तथा 19,812 जल-संग्रहण वाले कंटेनरों की जांच डेंगू मच्छर के लार्वा की उपस्थिति के लिए की गई। जांच के दौरान 19 घरों तथा 21 कंटेनरों में डेंगू मच्छर का लारवा पाया गया। आज की गई जांच में कौन से इलाके संवेदनशील है यह बताने से जिला मलेरिया अफसर ने इनकार कर दिया। जबकि विभाग के सूत्रों का कहना है कि डेंगू का लारवा काफी जगह से मिला है जिससे डेंगू फैलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।
- **क्या है डेंगू के लक्षण...**तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते अथवा नाक या मसूड़ों से खून आने जैसे लक्षण डेंगू के संकेत हो सकते हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372